

QP CODE: 25050394



Reg No :

Name :

MA DEGREE (CSS) EXAMINATION, DECEMBER 2025

First Semester

M A HINDI

Core Courses - HN010102 - ANCIENT POETRY - I

2019 Admission Onwards

036C3AD6

Time: 3 Hours

Weightage: 30

Part A

I. किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. रासो साहित्य पर प्रकाश डालिए।
2. शिल्प पक्ष की दृष्टि से पृथ्वीराज रासो कहाँ तक सफल है ?
3. पृथ्वीराज रासो में वीर रस का वर्णन।
4. सिद्ध कीजिए कि पदावली में नारी सौंदर्य का सूक्ष्म वर्णन है।
5. विद्यापति की भाषा।
6. संत काव्य पर विभिन्न संप्रदायों का प्रभाव
7. कबीरदास
8. प्रेमाश्रयी शाखा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
9. सूफी शब्द की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
10. पद्मावत में अलंकार योजना।

(8×1 = 8 weightage)

Part B

II. किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

11. भय प्रात रत्तिय जु रत्त दीसय, चंद मंदय चंदयौ।
भर तमस तामस सूर बर भरि, रास तमास छन्दयौ॥
बर बज्जियं नीसान धनिघन, बीर बरनि अकूरयं।
धर धरकि, धाइर करषि काइर, रसमें सूरस कूरय॥ सप्रसंग व्याख्या कीजिए।





12. तेग झारि उजझारि बर, फिरि उपमा कवि कथ।
नैनं बांन अंकुरि बहुरि परैं तन तुट्टे बहि हथ।।
तन तुट्टे बहि हथ, फेरि बर बीर सबीरह।
मरन चित्त संचयौ, जनम तिन तजी जंजीरह।।
हथ बथ आहित फेरि, तक्के उरै बहु बेगा।
लंगा लंगरीराय, बीर उच्चाइसु तेगा।। सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
13. सुन रसिया, अब न बजाऊ विपिन बंसिया।
बार बार चरनारविंद गहि, सदा रहब बनि दसिया।
कि छलहुँ कि होएब के जाने, वृथा होएत कुल हंसिया।
अनुभन ऐसन मदन भुजंगम हृदय मोर गेल डसिया।
नंद-नंदन तुअ सरन न त्यागब बलु जग होए दुरजसिया।
विद्यापति कह सुनु बनितामनि तोर मुख जीतल ससिआ।
धन्य धन्य तोर भाग गोआरिनि, हरि भजु हृदय हुलसिआ। -व्याख्या कीजिए।
14. ससन परस खसु अम्बर रे देखल धनि देह।
नव जलधर तर चमकाए रे जनि बीजरि देह।।
आज देखलि धनि जाइते रे मोहि उपजल रंग।
कनकलता जनि संचर रे महि निरअवलम्ब।।
ता पुन अपरुब देखल रे कुच जुग अरविंद।।
विगसित नहिं किछु कारन रे सोझा मुखचन्द।।
विद्यापति कवि गाओल रे रस बुझाए रसमन्त।।
देवसिंह नृप नागर रे हासिनि देवि कन्त।। व्याख्या कीजिए।
15. हदे छाँडि बेहदि गया, हुवा निरंतर वास।
कवँल जु फूला फूल बिनु, को निरखै निज दास।।
कबीर मन मधुकर भया, करै निरंतर बास।
कमल जु फूला नीर बिनु, को देखै निज दास।। व्याख्या कीजिए।
16. अलख निरंजन लखै न कोई, जेहि बंधे बधा सब कोई।
जेहि झूटे बंधाय अयाना, झूठी बात साँच कै जाना।
धंधा बंधा किन्ह बेवहारा, करम बिबरजित बसै निआरा।
षट आश्रम षट दरसन कीन्हा, षटरस बास षट वस्तुहिं चीन्हा।
चारि वृक्ष छव साख बखानै, विद्या अगनित गनै न जानै।
अवरो आगम करै बिचारा, ते नहिं सूझै वार न पारा।
जप तीरथ व्रत कीजै पूजा, दान पुन्य कीजै बहु दूजा।। व्याख्या कीजिए।
17. चढा असाढ गगन घन गाजा, साजा बिरह दुंददल बाजा।
धूम साम धौरे घन धाए, सेत धजा बग पाँति देखाए।
खडग बीजु चमकै चहुँ ओरा, बुन्द बान बरसहिं घन घोरा।
अद्रा लाग लागि भुइँ लेई, मोहि बिनु पिउ को आदर देई।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी, कंत उबारु मदन हौं घेरी।
दादुर मोर कोकिला पीऊ, करहि बेझ घट रहे न जीऊ।
पुष्य नखत सिर ऊपर आवा, हौं बिनु नाह मँदिर को छावा।
जिन्ह पर कन्ता ते सुखी, तिन्ह गारौ औ गर्व।।
कंत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्व।। - व्याख्या कीजिए।





18. फागुन पवन झकोरा बहा, चौगुन सीउ जाइ नहिँ सहा।
तन जस पियर पात भा मोरा, तेहि पर बिरह देइ झकझोरा।
तरिवर झरहिँ झरहिँ बन ढाखा, भइ ओनंत फूलि फरि साखा।
करहिँ बनसपति हिये हुलास, मो कहँ भा जग दून उदासू।
फागु करहिँ सब चाँचरि जोरी, मोहि तन लइ दीन्ह जस होरी।
जौ पै पीउ जरत अस पावा, जरत मरत मोहि रोष न आवा।
राति दिवस बस यह जिउ मोरे, लगौं निहोर कंत अब तोरे।
यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उडाव।
मकु तेहि मारग उडि परै, कंत धरै जहँ पाँव।। व्याख्या कीजिए।

(6×2 = 12 weightage)

Part C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

19. रेवातट की कथावस्तु संक्षेप में लिखकर उसके वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।
20. सिद्ध कीजिए कि विद्यापति श्रंगार प्रधान भावुक भक्त कवि है।
21. सिद्ध कीजिए कि कवि के साथ-साथ कबीरदास एक समाज सुधारक भी है।
22. समर्थन कीजिए कि जायसी एक रहस्यवादी कवि है।

(2×5 = 10 weightage)

